वर्ष 2020

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम
पशुपालन	4 2 0	हिन्दी

... से मिलाकर लगायें

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

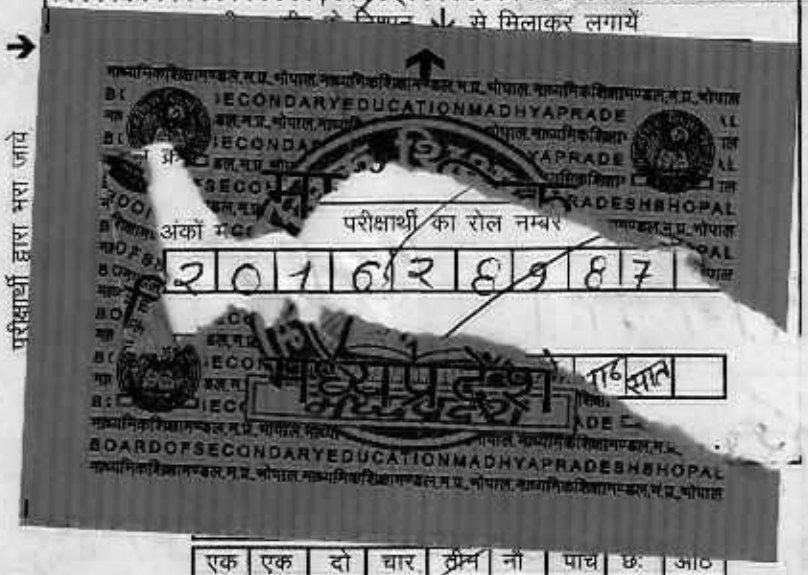

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, म.प्र., भोपाल

अंकों में / परीक्षार्थी का रोल नम्बर

2 0 1 6 2 8 9 8 7

मध्यप्रदेश

शब्दों में: ... सात

एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पांच	छः	आठ

केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जावे

क :– पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंकों में 4 शब्दों में

ख :– परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 04

ग :– परीक्षा का दिनांक 12 06 2020

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

केन्द्र क्रमांक 161022

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर

हायर सेकण्डरी परीक्षा

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तानुसार सही पाई होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा

नोट :- "हायर सेकेण्डरी परीक्षा में केवल वाणिज्य संकाय के विषयों तथा हाईस्कूल परीक्षा में प्रायोगिक विषय को छोड़कर शेष विषयों हेतु नियमित एवं स्वाध्यायी छात्रों के लिये प्रश्न पत्र 100 अंकों का होगा किन्तु नियमित छात्रों को 100 अंक के प्राप्तांक का 80% अधिभार एवं स्वाध्यायी छात्रों को 100 अंक के प्राप्तांक ही अंकसूची में प्रदर्शित किये जायेंगे।"

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे।

प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों ... करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप...
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		

कुल प्राप्तांक अंकों में

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्र० क्र० = (1)

उत्तर (1)

(i) (a) जीवाणु ।

(ii) (b) 2 से 5 दिन ।

(iii) (b) थनैला रोग में ।

(iv) (a) जमुनापारी ।

(v) (c) बकरी से ।

प्र० क्र० = (2)

उत्तर (2)

(i) 150

(ii) पाकिस्तान का मुल्तान ।

(iii) भेड़ ।

(iv) करनाल (हरियाणा) ।

(v) 79.5 % ।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्र० क्र० = ③

उत्तर ③

(i) सत्य ।

(ii) असत्य ।

(iii) असत्य ।

(iv) सत्य ।

(v) असत्य ।

B
S
E

प्र० क्र० = ④

उत्तर ④

स्तम्भ 'I'		स्तम्भ 'II'
① फाउल पॉक्स रोग	=	(f) विषाणु ।
② पुलोरम रोग	=	(d) जीवाणु ।
③ सूखा रोग	=	(b) पोषण हीनता ।
④ 'विटामिन D' की कमी	=	(c) पिंजरा प्रणाली
⑤ गहरी बिछाली प्रणाली	=	(a) मुर्गी गृह ।

योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ के अंक | कुल अंक

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्र० क्र० = (5)

उत्तर (5) मछली की दो किस्मों के नाम निम्न-लिखित है :-

(i) देशी मछली :-
(1) कतला, (2) रोहू ।

(ii) विदेशी मछली :-
(i) सामान्य कार्प,
(ii) मिरर कार्प ।

B
S
E

(iii) लाइव फिशेज :-
(i) सिंघी,
(ii) एनाबस ।

(iv) वीड फिशेज :-
(i) चन्ना,
(ii) चाइनीज सिल्वर कार्प ।

प्र० क्र० = (6)

उत्तर (6) शूकर में जीवाणु जनित दो रोगों के नाम निम्न-लिखित है :-

(i) ब्रूसेलोसिस,
(ii) एन्थ्रेक्स ।

+ =

कुल अंक

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्र० क्र० = (7)

उत्तर (7)

विदेशी नस्ल की बकरियों के नाम निम्न-लिखित है :-

(i) सानेन (स्विट्जरलैंड),
(ii) अल्पाइन (फ्रांसीसी) ।

प्र० क्र० = (8)

B उत्तर (8)

S

E

आदर्श राशन की तीन विशेषताएँ निम्न-लिखित है :-

(1) स्वादिष्टता,
(2) स्वच्छता,
(3) पाचकता ।

(1) स्वादिष्टता :- प्रायः हरे चारे व रसीले चारे स्वादिष्ट होते हैं, जिन्हें पशु आसानी से खाते हैं ।

(2) स्वच्छता :- पशुओं के भोजन में किसी भी प्रकार की मिलावट नहीं होनी चाहिए अर्थात एकदम स्वच्छ आहार खिलाना चाहिए ।

योग पूर्व पृष्ठ ... अंक ... कुल अंक

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

(3) पाचकता :- पशुओं के भोजन में प्रायः ऐसे खाद्य-पदार्थ होने चाहिए, जो आसानी से पशुओं द्वारा पचाए जा सकें।

प्र० क्र० = (9)

उत्तर (9) पशु शरीर में वसा के तीन कार्य निम्न-लिखित है :-

BSE

(1) वसा शरीर को चर्बी प्रदान करती है।

(2) वसा पशु शरीर के जोड़ों को चिकना बनाती है, जिससे चलने-फिरने में आसानी होती है।

(3) वसा पशु शरीर की गर्मी एवं सर्दी से रक्षा करती है।

प्र० क्र० = (10)

उत्तर (10) दुधारू गाय के पाँच लक्षण निम्न-लिखित है :-

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

(1) दुधारू गाय को सामने से देखने पर वह त्रिभुजाकार दिखाई देनी चाहिए अर्थात् पिछला हिस्सा भारी होना चाहिए।

(2) दुधारू पशु का पेट ढोलक की तरह फैला हुआ होना चाहिए।

(3) दुधारू पशु का अयन बड़ा, विस्तृत ए(वं) फैला हुआ होना चाहिए।

B
S (4) दूध निकालने के बाद अयन पूरी तरह से सिकुड़ जाना चाहिए।
E

(5) दुधारू पशु के थन समान लम्बाई व एवं सम्मान दूरी पर स्थित होने चाहिए।

प्र० क्र० (11)

उत्तर (11) पशु चिकित्सा में उपयोग में आने वाले चार यंत्रों के नाम एवं उनके उपयोग निम्न-लिखित हैं:-

(1) ~~खुरैला~~ ~~खुरैरा~~ :-

(1) खुरैरा यंत्र :- यह एक प्रकार का ब्रश होता है, जो पशु के

प्रश्न क्र.

शरीर की सफाई करता है।

(2) प्रोब :- यह धातु का बना हुआ पतला यंत्र है। इसके उपयोग पशु के घाव की गहराई नापी जाती है एवं घाव के अन्दर तक दवा भरने के काम आता है।

(3) धमनी चिमटी :- यह स्टील की बनी हुई होती है, इसका उपयोग ऑपरेशन के समय धमनी काटने के काम में आती है।

B
S
E

(4) बर्डिजो कॉस्ट्रेटर :- इसका आविष्कार इटली के वैज्ञानिक बर्डिजों ने किया था। यह धातु का बना हुआ कैंचीनुमा यंत्र है, जिसका उपयोग पशु की बधिया करने में होता है।

प्र० क्र० = (12)

उत्तर (12)

बीमार पशु के चार लक्षण निम्न-लिखित है :-

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

① पशु जुगाली करना बंद कर देता है तथा पशु की नाड़ी गति सामान्य नहीं रहती है।

② बीमार पशु का तापमान व श्वसनदर सामान्य से घट या बढ़ जाता है।

③ बीमार पशु खाना कम कर देता है उसके मल-मूत्र में से दुर्गन्ध आने लगती है।

B
S ④ बीमार पशु का उत्पादन सामान्य से घट जाता है तथा बीमार पशु प्रसन्न दिखाई नहीं देता है।
F

प्र० क्र० = (13)

उत्तर (3)

दही की चार उपयोगिता निम्नलिखित है :-

① दही, दूध से अधिक पाचक होता है दही शरीर की गर्मी को शान्त क पाचन शक्ति बढ़ाता है।

② पेचिस तथा दस्त के इलाज में क आता है।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

(3) दही का उपयोग बालों को धोने में भी किया जाता है, जिससे बालों की रूसी समाप्त हो जाती है।

(4) दही शीघ्र शक्तिदायक होता है तथा दही में कैल्शियम तथा फॉस्फोरस अधिक मात्रा में घुलनशील होते हैं जो उपभोक्ता को प्राप्त होते हैं।

BSE

प्र० क्र० = (14)

उत्तर (14) आइसक्रीम का औसत संघटन निम्न-लिखित है :-

	अवयव	प्रतिशत मात्रा
(1)	वसा	10 %
(2)	वसा रहित ठोस	11 %
(3)	चीनी (शक्कर)	15 %
(4)	स्थायी कारक	0.5 %
(5)	अण्डे	0.5 %

प्रश्न क्र.

नमक	0.01 या 00 %

प्र० क्र० = (15)

उत्तर (15)

दुग्धचूर्ण के उपयोग निम्न-लिखित है :-

(1) चाय, कॉफी बनाने में तथा बिस्किट और मिठाईयों में।

(2) दुग्ध चूर्ण का उपयोग शिशु आहार बनाने में किया जाता है।

(3) दुग्धचूर्ण का उपयोग आइसक्रीम पाउडर तैयार करने में किया जाता है।

(4) मानकीकृत दूध तैयार करने के लिए तथा दूध को अधिक समय तक संरक्षित करने के लिए।

B
S
E

प्र० क्र० = (16)

उत्तर (16)

इन्क्यूबेटर :- कृत्रिम तरीके से जिस मशीन के

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

अन्दर अण्डा सेने की प्रक्रिया पूरी की जाती है, उसे इन्क्यूबेटर कहते हैं। इन्क्यूबेटर के उपयोग से हमारे अण्डे बर्बाद नहीं होते हैं।

इन्क्यूबेटर के तीन उपयोग निम्न-लिखित है:-

(1) बड़े पैमाने पर मुर्गीपालन के लिए इन्क्यूबेटर का उपयोग किया जाता है।

(2) अण्डे सेने की क्रिया वर्ष के किसी भी महीने में की जा सकती है।

(3) अधिक संख्या में चूजों को प्राप्त किया जाता है।

प्र० क्र० = (17)

उत्तर (17) मुर्गी के आहार में विटामिन A, B, C, D, E के एक-एक कार्य निम्न-लिखित है:-

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

	विटामिन्स	कार्य
(1)	विटामिन 'A'	नेत्र दृष्टि के लिए आवश्यक।
(2)	विटामिन 'B'	भूख बढ़ाने तथा ऊतकों को ठीक बनाए रखना।
(3)	विटामिन 'C'	चर्म रोगों से बचाव।
(4)	विटामिन 'D'	अण्डों के कवच के निर्माण में तथा हड्डियों को मजबूती प्रदान करने में।
(5)	विटामिन 'E'	जनन अंगों को क्रियाशील बनाए रखना तथा अण्डा उत्पादन बढ़ाना।

B S E

प्र० क्र० = (18)

उत्तर (18)

(A) कॉक्सिडियोसिस (खूनी दस

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

(A) **रोगकारक :-** खूनी दस्त का रोग कारक कॉक्सीडिया नामक प्रोटोजोआ है।

(B) **लक्षण :-**

(1) जमीन पर रक्त युक्त बीट पाई जाती है।

(2) मुर्गी को काले रंग के दस्त निकलते है जो बदबूदार एवं झागदार होते हैं।

(3) मुर्गी को भूख नहीं लगती है जिससे उसका शारीरिक भार घट जाता है।

(4) पक्षी लड़खड़ाने लगते है एवं ऊंघते हैं।

(5) मुर्गियों का झुण्ड में सटकर बैठना।

(C) **उपचार :-**

खूनी दस्त बीमारी के लिए साफ-सफाई एवं टीकाकरण

प्रश्न क्र.

ही सर्वोत्तम

① चूजों तथा वयस्क पक्षियों को हमेश
अलग-अलग ही रखना चाहिए।

② मुर्गीघर से सभी संक्रमित पदार्थों
जैसे- मुर्गीबिट, बिछावन आदि को
दूर ले जाकर जला देना चाहिए

③ इस रोग में मरे हुए पक्षियों को जल
देना चाहिए।

BSE

④ मुर्गीघर की साफ-सफाई करना
चाहिए।

⑤ हवादार मुर्गीघर होना चाहिए।

⑥ मुर्गियों में खूनी दस्त रोग के टीके लग
चाहिए।

⑦ मुर्गियों को विपरीत मौसम से बचा
चाहिए।

— : —